प्रवक्ता अर्थशास्त्र
UP-PGT

संपादित एवं संकलित द्वारा

डॉ. पिंकी मिश्रा

SPORTS PUBLICATION
Publisher & Distributor

खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838, : 011-23240261
इमेल: info@sportspublication.net
वेबसाइट: www.sportspublication.net

Published by:
खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838
इमेल: info@sportspublication.net
वेबसाइट: www.sportspublication.net

© 2022 प्रकाशक

आई.एस.बी.एन.: 978-93-93781-21-5

भारत में प्रकाशित 2022

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरूत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनप्राप्ति के प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके: इलैक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वैब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक तथा लेखक ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं है। सभी विवादों और दावों का निपटारा केवल 1940 के भारतीय मध्यस्थता अधिनियम के अन्तर्गत दिल्ली न्यायालय में किया जाएगा।

मुद्रक:
ओम साई प्रिंटर्स एण्ड बाइंड्र्स
दिल्ली

मूल्य: ₹ 95/-

पाठ्यक्रम
प्रशिक्षित स्नातक
विषय : अर्थशास्त्र 2022

उच्च आर्थिक सिद्धान्त–साम्य का विचार एवं प्रकार, मांग का सिद्धांत, मांग के लोच की माप, आंडी या प्रतिलोच, उपभोक्ता का अतिरेक, तटस्थ, वक्र तकनीक, उपभोक्ता साम्य, उद्घाटित अधिमान सिद्धान्त, उत्पत्ति के नियम एवं पैमाने के प्रतिफल नियम, *उत्पादन फलन*–अल्पकालीन एवं दीर्घ कालीन एवं काब–डगलस उत्पादन फलन जनसंख्या संक्रमण जनसंख्या संक्रमण, जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त।

अर्थ का सिद्धान्त–पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, द्वाधिकार, अल्पाधिकार एवं एकाधिकृत प्रतियोगिता तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था में कीमत निर्धारण। *वितरण*–वितरण का केन्द्रीय एवं आधुनिक सिद्धान्त, प्रतिष्ठित सिद्धान्त, कीन्स की द्रवता पसंदगी सिद्धान्त एवं तरलता–जाल, उधार देय योग्य कोष सिद्धान्त नाइट एव शाकिन का लाभ सिद्धान्त, उत्पादन समाप्ति प्रमेय। कीन्स का *रोजगार सिद्धान्त*–गुणक एवं त्वरक सिद्धान्त, उपभोग एवं विनियोग फलन, व्यापार चक्र के सिद्धान्त–हाटे हेयक तथा हिक्स।

लोक वित्त–लोकवित्त के सिद्धान्त, निजी एवं सार्वजनिक वस्तुएँ सार्वजनिक *व्यय*–उद्देश्य, सिद्धान्त एवं आर्थिक प्रभाव, संतुलित एवं असंतुलित बजट, राजकोषीय, वित्त क्रियात्मक वित्त एवं युद्ध वित्त, विकासशील अर्थव्यवस्था में राजकोषीय नीति। *सार्वजनिक आय*–करारोपण के सिद्धान्त, करों का वर्गीकरण, करों में समानता, कराभार एव कर विवर्तन, कर भार के सिद्धान्त, पूंजीकृत कर विवर्तन दोहराकर एवं कर देय क्षमता।

सार्वजनिक ऋण–ऋण भार, कर बनाम ऋण शोधन, केन्द्र एवं राज्य सरकार के वित्त की प्रवृत्तियाँ, दसवाँ वित्त आयोग, हीनार्थ, प्रबंधन।

मौद्रिक अर्थशास्त्र–मुद्रा का मूल्य और उसकी माप–मुद्रा परिणाम सिद्धान्त, कीन्स एवं कैम्ब्रिज मौलिक समीकरण, कीन्स का मौद्रिक सिद्धान्त–मुद्रा प्रसार, मांग–जनित एवं लागत–जनित स्फीति, फिलिप्स वक्र, मुद्रा स्फीति एवं मुद्रा संकुचन की तुलनात्मक श्रेष्ठता, मौद्रिक संस्थाएँ, केन्द्रीय एवं वाणिज्य बैंकों के कार्य, साख सृजन, केन्द्रीय बैंक साख नियंत्रण की विधियाँ, भारतीय रिवर्ज बैंक की मौद्रिक नीति, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीय औद्योगिक (दीर्घकालीन) कोष, अवमूल्यन, अधिमूल्यन, विनिमय नियंत्रण प्रत्यक्ष एवं परोक्ष विधियाँ।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र–अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त (एडम स्मिथ, रिकोर्डो और मिल) पारस्परिक माँग सिद्धांत, मार्शल का अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य का सिद्धान्त, अवसर लागत सिद्धान्त, (हैबरलर) सामान्य संतुलन सिद्धान्त (हेवश्चर–ओहलिन)ए लियोन्तीफ विरोधाभास।

विदेशी विनियम दर–क्रय शक्ति समता एवं भुगतान संतुलन सिद्धान्त, व्यापार की शर्त,

स्वतंत्र व्यापार बनाम संरक्षण, प्रशुल्क, राशिपतन, द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय व्यापार। प्रशुल्क एवं व्यापार सम्बन्धी सामान्य समझौता (जी.ए.टी.टी.), संयुक्त राष्ट्र संघ का व्यापारों एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD), भारत में विदेशी पूंजी की वर्तमान स्थिति, विदेशी सहायता, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ, आई.ए.एफ., आई.बी.आर.डी. अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (आई. डी.ए.) एशियन विकास बैंक, यूरोपियन साझा बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय तरलता।

आर्थिक विकास एवं भारतीय अर्थव्यवस्था–आर्थिक विकास की समस्याएँ, विकास की अवस्थाएँ, विकास मॉडल-प्रतिष्ठित, हैरोड एवं डोमर मॉडल। भारत में जनवृद्धि एवं संरचना, जनसंख्या नीति, राष्ट्रीय आय की नवीन अवधारणाएँ, राष्ट्रीय आय की प्रवृत्तियाँ गरीबी एवं अल्परोजगार की समस्याएँ, रोजगार नीति, ऊर्जा संकट, कृषि वित्त की समस्याएँ, एवं उपाय, अन्नपूर्णा योजना, भारत की नई औद्योगिक नीति एवं उपक्रम, लघु कुटीर औद्योगिक नीति, निर्यात संवर्द्धन, सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां एवं भारतीय आर्थिक विकास। प्रारंभिक सांख्यिकी का अर्थ एवं महत्त्व, बिन्दुरेखीय प्रदर्शन, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप मध्य का भूमष्ठिक, प्रमाणिक विचलन एवं सह-सम्बन्ध।

विषय सूची

1.	प्रवक्ता (PGT) भर्ती परीक्षा 2005	1–22
2.	प्रवक्ता (PGT) भर्ती परीक्षा 2009	23–45
3.	प्रवक्ता (PGT) भर्ती परीक्षा 2012	46–67
4.	प्रवक्ता (PGT) भर्ती परीक्षा 2015	68–88
5.	प्रवक्ता (PGT) भर्ती परीक्षा 2019	89–111
6.	प्रवक्ता (PGT) भर्ती परीक्षा 2011	112–128